

मोड्यूल 13: सेप्सिस (जन्तुदोष) : निदान तथा कोट्रिमॉक्सेजोल से उपचार

सत्र 3 : छाती अंदर धंसे हुए शिशुओं का उपचार

दिवस : 3

समयावधि : 45 मि.

प्रयोजन

आशा को छाती अंदर धंसे हुए शिशुओं की कोट्रिमॉक्सेजोल से उपचार तथा ऐसे शिशुओं को अस्पताल भेजने की जानकारी देना।

उद्देश्य

सत्र के अंत में आशा में निम्न योग्यताएँ आएँगी।

1. छाती अंदर धंसे शिशु की पहचान, उपचार तथा शिशु को अस्पताल भेजना क्यों आवश्यक है, यह बताना।

सामग्री

- सॉस संबंधी बिमारीयों के बारे में WHO की सीडी
- सीडी/डिक्लीडी प्लेअर

तैयारी

- प्रशिक्षक द्वारा WHO की सीडी को सत्र के दौरान दिखाने की तैयारी

प्रशिक्षण विधि

प्रस्तुति तथा चर्चा : (30 मि.)

प्रशिक्षकों हेतु सुझाव:

1. प्रशिक्षणार्थियों को एक गोले में बिठायें
2. आशा से पूछें कि वे नवजात शिशु की छाती अंदर धंसे होने की पहचान कैसे करेंगी तथा वह पसलियों के नीचे की त्वचा का हल्का सा अंदर चलें जाने से कैसे भिन्न है?
उनके उत्तर निम्न हो सकते हैं:
 - जब शिशु सांस लेता है तो पेट तथा छाती ऊपर उठती है, पर छाती के नीचे का भाग अंदर चला जाता है।
 - पसलियों के नीचे की त्वचा का हल्का सा अंदर चले जाने को छाती अंदर धंसना नहीं कहते। ऐसा प्रायः जन्म के समय कम वज़न वाले शिशुओं में देखा जाता है।
3. आशाओं की सहायता के लिए सीडी चलायें और छाती का अंदर धंसना सही पहचानने का अभ्यास कराएँ। इसकी पहचान करवाएँ। पहचान के लिए पर्याप्त समय दें। यदि आशाओं के अभ्यास का नतीजा सन्तोषजनक नहीं है (सभी आशा 75 प्रतिशत केसेस में सही पहचान करे) और यदि कोई संदेह है तो दोबारा सीडी चलाएँ। यह बहुत महत्वपूर्ण है, और नवजात शिशु में सेप्सिस की पहचान के लिए भी आवश्यक है। अतः

उन्हे अच्छी तरह अभ्यास करने का अवसर दें। जब सबको छाती अंदर धंसे होने की पहचान हो जाये तो ही आगे बढ़ें।

4. आशा से पूछें कि यदि 2 माह से कम के शिशु की गंभीर रूप से छाती अंदर धंसी हुई है तो उसका निदान क्या है? उत्तर होना चाहिए – *गंभीर निमोनिया*।
5. उनसे पूछें कि इसका उपचार क्या है? – उत्तर होना चाहिए– *कोट्रिमाॅक्सेजोल*। उनसे पूछें 2 माह से कम के शिशु की खुराक क्या है? उत्तर होना चाहिए– *1/4 चम्मच कोट्रिमाॅक्सेजॉल दिन में दो बार, सात दिन तक*।
6. आशाओं से पूछें कि क्या उन्होंने कभी शिशु में छाती अंदर धंसने का निदान किया है? उनके अनुभव जाने। क्या शिशु के माता-पिता उसे अस्पताल ले गये? (कई बार शिशु को अस्पताल ले जाना कठिन होता है और यदि समय पर उसका उपचार नहीं किया गया तो उसकी मौत भी हो सकती है। ऐसी स्थिति में आशा तुरंत शिशु का उपचार करें)।
इस विषय में उसके अनुभव सूनें। अच्छे कार्य के लिए उसकी प्रशंसा करें। यदि वह कुछ बताना भूल जाये तो उसे जोड़ें यदि कुछ गलत जानकारी हो तो उसे सुधारे।
7. बतायें कि आशा नवजात शिशुओं की बयालीसवें दिन तक देखभाल करेगी। यदि इस दौरान किसी शिशु की छाती अंदर धंसी है तो आशा उसे कोट्रिमाॅक्सेजोल की एक खुराक देकर अस्पताल भेज देगी। यदि माता-पिता शिशु को अस्पताल ले जाने के लिए तैयार नहीं है तो आशा उनसे पूर्व स्वीकृति फॉर्म भरवाएँ (उसमे लिखा हुआ इंजेक्शन शब्द काट दें), दिन में दो बार शिशु को देखने जाएँ, और 7 दिन तक उसका उपचार पूरा करें।
8. इस दौरान शिशु की स्तनपान और तापमान नियंत्रण के बारे में खतरेवाले शिशु जैसे देखभाल करें।

छाती का अंदर धंसना-सेप्सिस का एक लक्षण (10 मि.)

1. बतायें कि यदि शिशु की छाती अंदर धंसी हुयी है तो यह सेप्सिस का एक लक्षण है। आशा उसका कोट्रिमाॅक्सेजोल से उपचार करेगी और दिन में दो बार उसे देखने उसके घर पर जायेगी तथा अन्य लक्षणों का भी निरीक्षण करेगी।
2. आशा को पहले ही सिखाया जा चुका है कि सेप्सिस के अन्य लक्षण (यदि एक ही लक्षण दिखायी दे) दिखाई देने पर क्या उपचार करना है। (यदि माँ बताये कि शिशु का शरीर छूने में ठंडा है तो वे हाईपोथर्मिया का उपचार शुरू करें, यदि शिशु को स्तनपान करने में कठिनाई हो रही है तो उसका उपचार करें, यदि उसकी टुंडी में मवाद है तो इसके लिए जेन्शन वायलेट पेन्ट लगायें, यदि शिशु को बुखार है तो उसे पैरासिटामॉल देकर एक घंटे तक प्रतीक्षा करें। यदि बुखार न उतरे और अन्य कोई लक्षण नज़र आये तो सेप्सिस का उपचार शुरू करें। आशाओं ने यह सब पहले के सत्रों में सिखा हैं)।
3. आशा से सेप्सिस के एक ही लक्षण का उपचार करने के बारे में हुए अनुभवों की जानकारी लें। जब आशा बता रही हो तो,
 - समय का ध्यान रखें।
 - उसकी शंकाओं का समाधान करें।
 - सामूहिक चर्चा के दौरान कोई संदेह हो तो उसका समाधान करें।
 - नोट करें कि प्रशिक्षणार्थियों को किस विषय में अधिक अभ्यास अथवा जानकारी की आवश्यकता है।

4. यह जानने के लिए कि आशा ने समुदाय के बीच रहकर समस्या का समाधान कैसे किया, आशा के काम और प्रशिक्षण की प्रगती पुस्तिका देखें। यदि किसी को अधिक सहायता की आवश्यकता हो तो सत्र के बाद उन्हें अलग से समझाएँ तथा अतिरिक्त समय दें।

सारांश (5 मि.)

- किसी एक आशा से पूछें कि वह छाती अंदर धंसे हुए शिशु का उपचार कैसे करेगी।
- अन्य आशा से पूछें कि छाती अंदर धंसे शिशु को अस्पताल भेजना क्यों आवश्यक है।
- किसी अन्य आशा से पूछें कि सेप्सिस के एक लक्षण का उपचार कैसे करें।
- यदि कुछ रह गया हो तो जोड़ें तथा गलतियों का सुधार करें।
- आशा की उनके अच्छे काम के लिए प्रशंसा करें।

सत्र का मूल्यांकन

उद्देश्य	आंकलन विधि	परिणाम
छाती अंदर धंसे शिशु की पहचान, उपचार तथा शिशु को अस्पताल भेजना क्यों आवश्यक है, यह बताना।	प्रश्नोत्तर	—